वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 214 | मंगलवार 29 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कला एवं संस्कृति मंत्री ने कहा...

राजस्थान शौर्य और भक्ति की भूमि

जवाहर कला केंद्र में आयोजित हुआ राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी का स्थापना दिवस समारोह, ब्रज भाषा की प्रस्तुतियों पर झूमे दर्शक

जयपुर. शाबाश इंडिया

कला और संस्कृति मंत्री डॉ.बी. डी. कल्ला ने कहा कि राजस्थान शौर्य और भक्ति की भूमि है। यहाँ महाराणा प्रताप के शौर्य और मीरा की भक्ति का अनूठा संगम नजर आता है। डींगल साहित्य में वीर सपूतों की गाथाओं का वर्णन है तो पींगल साहित्य में भक्ति की रसधार बहती है। डॉ.कल्ला सोमवार को जवाहर कला केंद्र में राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी के 38 वे स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ब्रजभाषा प्रेम और सौहार्द की भाषा है और ब्रज संस्कृति का अनुकरण देश ही नहीं समूचा विश्व भी करता है। डॉ. कल्ला ने कहा कि राजस्थान में देश की एकमात्र ब्रजभाषा अकादमी अकादमी होना हमारे लिए गर्व की बात है। डॉ.कल्ला ने ब्रजभाषा में कवि रसखान की पद्य रचना ''मानुष हौं तो वही रसखानि....'' भी पढ़कर सुनाई। कला और संस्कृति मंत्री ने अपना उद्बोधन भी ब्रज भाषा में ही दिया। राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि वर्तमान यंत्र युग में आदमी तकनीकी रूप से तो तरक्की करता जा रहा है मगर भावनात्मक रूप से पिछड़ता जा रहा है। इसलिए जीवन मूल्य स्थापित होने की आवश्यकता है। अकादमी के सचिव गोपाल लाल गुप्ता ने अकादमी का परिचय देते हुए बताया कि 28 नवम्बर 1985 को तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. शिवचरण माथुर के कार्यकाल में राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी की स्थापना हुई थी और विष्णुचंद पाठक इसके संस्थापक अध्यक्ष थे। उन्होंने बताया कि ब्रज संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए अकादमी द्वारा जयपुर के करीब सौ स्कूलों में पेंटिंग,सुलेख स्केचिंग और कलरिंग प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जा रही है। इस अवसर पर राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी के पूर्व अध्यक्षों व अन्य पदाधिकारियों का सम्मान भी किया गया। अतिथियों ने ब्रजभाषा अकादमी के नए लोगो का भी विमोचन किया। इस मौके पर ब्रज संस्कृति पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किये गए जिनकी शुरूआत कवि भूपेंद्र भरतपुरी ने सरस्वती वंदना से की। उसके बाद विट्ठल पारीक ने ब्रज वंदना और प्रख्यात गायक अशोक शर्मा ने ''चारों धामों से निराला ब्रजधाम.....'' की प्रस्तुति दी जिस पर कलाकारों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मन्त्र मुग्ध कर दिया। अन्य प्रस्तुतियों में कृष्ण रास, बम रसिया,शिव तांडव नृत्य, रसिया नृत्य, चरकुला नृत्य और लांगुरिया नृत्य प्रमुख रहे। मंच संचालन अनिल गोयल ने किया।

राहुल गांधी बोले- गहलोत-पायलट, दोनों ही पार्टी के लिए अहम

किसने क्या कहा, उसमें मैं नहीं जाना चाहता, यात्रा पर असर नहीं होगा

जयपुर. कासं। सचिन पायलट को सीएम अशोक गहलोत के गद्दार कहने की घटना को राहुल गांधी ने ज्यादा तवज्जो नहीं देने के संकेत दिए हैं। राहुल गांधी ने अशोक गहलोत और सचिन पायलट दोनों को साथ लेकर चलने के संकेत दिए हैं। इंदौर में राहुल गांधी से जब पायलट के गद्दारी करने को लेकर सवाल पूछा तो गया तो उन्होंने कहा- 'मैं इस पर जाना नहीं चाहता हूं कि किसने कया कहा? दोनों नेता पार्टी के एसेट हैं। मैं आपको एक बात की गारंटी दे सकता हूं कि इसका भारत जोड़ो यात्रा पर कोई असर नहीं होगा।' राहुल गांधी के इस बयान के बाद कांग्रेस की अंदरूनी सियासत को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इस बयान को

राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के आने से पहले ही दोनों नेताओं को साथ लाने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। कल कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी कहा था कि पार्टी को अशोक गहलोत और सचिन पायलट दोनों की जरूरत है। भारत जोड़ो यात्रा 5 दिसंबर के आसपास राजस्थान में एंट्री कर रही है। यात्रा के राजस्थान आने से पहले ही राहुल गांधी ने यह बयान देकर इस बात के संकेत दे दिए हैं कि पार्टी अब इस मुद्दे को तूल नहीं देना चाहती। अब राहुल गांधी की यात्रा तक राजस्थान को लेकर कोई फैसला होने की उम्मीद नहीं है।

राहुल-पायलट को गले मिलाकर दिया जा सकता है मैसेज

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा करीब 17 दिन तक राजस्थान में रहेगी। गहलोत के पायलट को गद्दार कहकर खुलकर निशाना साधने के बाद यह माना जा रहा था कि यात्रा पर इसका कोई असर होगा और इससे खींचतान बढ़ने के आसार दिख रहे थे।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव के मौके पर डाक विभाग ने जारी किया विशेष कवर आवरण एवं महावीर जी डाकखाने पर विशेष मोहर

श्रीमहावीरजी. शाबाश इंडिया

21 वीं शताब्दी के भगवान महावीर के प्रथम महामस्तकाभिषेक महोत्सव एवं पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के मौके पर भारतीय डाक विभाग द्वारा राजस्थान परिमण्डल की अनुशंसा पर विशेष डाक कवर आवरण जारी किया गया है। इसके साथ ही महावीर जी डाकखाने के लिए स्थायी चित्रात्मक मोहर जारी की गई है। महोत्सव समिति के संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि सोमवार को आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ एवं आचार्य विमल सागर महाराज के सानिध्य में इस स्पेशल आवरण कवर,माई स्टेम्प का विमोचन किया गया। इस मौके पर श्री महावीरजी डाकखाने की स्थाई चित्रात्मक मोहर भी जारी की गई। मोहर पर श्री महावीर जी मंदिर का चित्र अंकित है। स्पेशल कवर आवरण पर टीले से निकली हुई मूंगावर्णी अतिशकारी भगवान महावीर की फोटो तथा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रतिष्ठित 24फीट उतंग खड्गासन भगवान महावीर की प्रतिमा का चित्र छपा हुआ है। इस आवरण कार्यक्रम का संयोजन विवेक काला, धर्म चन्द पहाड़ियां, सुरेश सबलावत एवं फिलातलिक सोसायटी आफ राजस्थान ने किया है। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, ने बताया कि इस अनावरण एवं विमोचन समारोह में महोत्सव समिति के शिरोमणि संरक्षक अशोक पाटनी आर के मार्बल्स किशनगढ, उपाध्यक्ष सी पी जैन जयपुर, महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी,चक्रवर्ती राजा सुरेश-शान्ता पाटनी किशनगढ एवं अन्य कमेटी सदस्य, महोत्सव समिति सदस्यों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए।

घटयात्रा, ध्वजारोहण के साथ शांतिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक एवं गजरथ महोत्सव शुरू

की गई मंडप शुद्धि, हुयी गर्भ कल्याणक पूर्वार्द्ध की क्रियाएं

जीवन को समुन्नत बनाते हैं संस्कार : मुनि श्री सुप्रभ सागर

बानपुर, ललितपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन क्षेत्रपाल अतिशय क्षेत्र बानपुर में श्री मज्जिनेन्द्र शांतिनाथ चौबीसी तथा मानस्तम्भ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, विश्वशांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव का आगाज आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज ससंघ एवं मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में सोमवार को विधि विधान के साथ हो गया। विधि विधान ब्रह्मचारी साकेत भैया के निर्देशन में में मुख्य प्रतिष्ठाचार्य पंडित मुकेश 'विन्नम' गुड़गांव, प्रतिष्ठाचार्य डॉ हरिश्चन्द्र जैन सागर, पंडित निर्मल जैन गोंदिया, पंडित अखिलेश जैन के प्रतिष्ठाचार्योत्व में आयोजन स्थल बस स्टैंण्ड स्थित महाराजा मर्दन सिंह क्रिकेट ग्राउंड बानपुर में सम्पन्न किया गया। प्रातः 6.30 बजे से अभिषेक, शांतिधारा के बाद देवाज्ञा, गुरु आज्ञा, तीर्थमण्डल पूजा के बाद 7. 45 बजे घटयात्रा हुई। घटयात्रा में महिलाएं पीले व केसरिया वस्त्रों में मस्तक पर कलश लेकर मंगलगान करती हुई चल रहीं थीं वहीं श्रीजी के आगमन का भव्य जुलूस अतिशय क्षेत्र क्षेत्रपाल से बस स्टैंड स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुँचा। वासुपूज्य युवा मंडल के स्वयंसेवक बैण्ड बाजों की सुमधुर आवाज से वातावरण को पवित्र कर रहे थे। रथों पर श्रीजी सवार थे। हाथियों पर सवार होकर श्रद्धालु ध्वजा लेकर चल रहे थे। बालिका मंडल की बालिकाएं भक्ति नृत्य करते हुए जयकारों से आकाश गुंजायमान कर रहीं थीं। इसके बाद रोशनलाल जैन परिवार ने विधि विधान के साथ ध्वजारोहण किया। मंडप उदघाटन समाज श्रेष्ठि, दानवीर प्रमोद जैन वारदाना परिवार सागर ने किया, वेदी शुद्धि एवं मंडप शुद्धि के संस्कार घटयात्रा में सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा लाए जल से मंत्रोच्चार के साथ की गई। इसके बाद धर्मसभा का आयोजन बालिका मंडल बानपुर की बालिकाओं के द्वारा मंगलाचरण से हुई। चित्र अनावरण व दीप प्रज्ज्वलन प्रतिष्ठाचार्य मुकेश विन्नम गुड़गांव, डॉ हरिश्चन्द्र सागर, डॉ सुनील संचय ललितपुर, तहसीलदार विनीता जैन शाहगढ़, प्रमोद जैन वारदाना सागर, रोशन लाल जैन आदि ने अपने कर कमलों से किया। इस अवसर पर मुनिश्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य महोत्सव के यगनायक महेंद्रनायक परिवार बानपुर व शास्त्र भेंट प्रशांत निशांत मड़वैया को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि जीवन यात्रा घट की तरह है। जो मिट्टी पैरों के तले रौंदी जा रहा था वह संस्कारित होकर आज घटयात्रा में महिलाओं के मस्तक पर विराजमान है, पंचकल्याणक में पत्थर को संस्कारित कर भगवान बनाया जाता है। मंत्रो द्वारा संस्कारित होकर पाषाण भगवान बन जाते हैं। हमें भक्ति मजबूरी, मजदूरी में नहीं मजबूती से करना है। उन्होंने बानपुर के मूलनायक शांतिनाथ के बारे में कहा कि मूलनायक शांतिनाथ अतिशयकारी हैं जिसकी मैंने स्वयं अनुभूति की है, श्रद्धा पूर्वक मस्तिष्क झुकाने से सारे संकट दूर हो जाते हैं।

भगवान महावीर मस्तकाभिषेक महोत्सव का दूसरा दिन...

टीले से निकली भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा का जयकारों के बीच 600 से अधिक श्रद्धालुओं ने किया महामस्तकाभिषेक

भगवान महावीर का महामस्तकाभिषेक महोत्सव 4 दिसंबर तक चलेगा-2650 कलशों से होगा महामस्तकाभिषेक

जयपुर/ श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

चांदनपुर वाले बाबा के नाम से पूरे विश्व में प्रसिद्ध भूगर्भ से प्रकटित भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा के महामस्तकाभिषेक महोत्सव में दूसरे दिन सोमवार को 600 से ज्यादा पुण्यार्जक श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ महामस्तकाभिषेक किये। इस मौके पर मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महामस्तकाभिषेक महोत्सव 4 दिसंबर तक चलेगा।इस दौरान पुण्यार्जक श्रद्धालुओं एवं इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा 2650 कलशों से भगवान का महामस्तकाभिषेक किया जाएगा। महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि सोमवार को आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में प्रातः 8.15 बजे से हुए महामस्तकाभिषेक में नवरत्न कलश का सौभाग्य अशोक प्रताप मल बिनायक्या एवं परिवारजन को प्राप्त हुआ है। इससे पूर्व बिन्याक्या परिवार भगवान महावीर स्वामी की भूगर्भ से प्रकटित मूंगावर्णी मूलनायक प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक करने हेतु नाचते गाते शुद्ध पीत वस्त्र धारण कर बैण्ड बाजों के साथ विशाल जुलूस के रूप में मुख्य मंदिर पहुंचे। इस मौके पर पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। गौरवाध्यक्ष एन के सेठी एवं उपाध्यक्ष सी पी जैन के मुताबिक दिव्य कलश का सौभाग्य डॉ एस के जैन, डॉ श्रेयांस जैन परिवार को मिला।ज्योति कलश का पुण्यार्जन संजय जैन बीड़ी वाले, पन्ना लाल सरावगी, मंयक जैन अनुपम जैन परिवार को मिला। तत्पश्चात ईशान इन्द्र राजेश - विमला शाह उदयपुर, सनत कुमार इन्द्र पवन -प्रीति गोधा सहित समाजश्रेष्ठी देवेन्द्र अजमेरा, संजय पाण्डया जयपुर आदि पुण्यार्जक परिवारों सहित लगभग 300 कलश 600 श्रद्धालुओं द्वारा दूसरे दिन किये गये। महोत्सव समिति के कोषाध्यक्ष उमरावमल संघी मंत्रोच्चार के साथ विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए भगवान के सिर पर शांतिधारा की गई। महोत्सव समिति के प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि सोमवार,28 नवम्बर को प्रातः 8.15 बजे से सायं 4.15 बजे तक भगवान का महामस्तकाभिषेक हुआ। 4 दिसम्बर तक प्रतिदिन प्रातः 8.15 बजे से सायं 4.15 बजे तक महामस्तकाभिषेक होगा। जैन के मुताबिक रविवार से दर्शनार्थियों के लिए मंदिर दर्शन प्रातः 5.00 बजे से 7.00 बजे तक तथा सायंकाल 6.00 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक हो सकेंगे। मंदिर के नीचे स्थापित ध्यान केन्द्र की प्रतिमाओं के दर्शन प्रातः 8.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक हो सकेंगे।

वेद ज्ञान

जीवन में मोह के बंधन

मोह के बंधन बड़े विचित्र-विलक्षण और मायावी होते हैं। इनका अस्तित्व न होने पर भी होता है। दरअसल मोह के अस्तित्व पर तात्विक विचार करें, तो यह एक अज्ञान जनित भ्रम के सिवाय और कुछ भी नहीं है। यह ऐसा भ्रम है, जो अनायास ही चित्त पर छा जाता है। अनेक रिश्ते-नाते, राग-द्वेष से युक्त होते हैं। अनगिनत योजनाओं व उपक्रमों के मायावी जाल में चित्त फंसता-उलझता रहता है। इससे उबरने के कठिन से कठिन प्रयास धरे के धरे रह जाते हैं और यह मोह-जाल मजबूत से कहीं अधिक मजबूत होता जाता है। मोह की यह माया वृक्ष की छाया की भांति है। छाया का अपना कोई निजी अस्तित्व नहीं है, यह तो बस वृक्ष से चिपकी और बंधी है। सूरज की दिशा और इसकी धूप के घटते-बढ़ते क्रम के अनुसार यह भी अपने आप ही घटती-बढ़ती रहती है। जब तक वृक्ष है, तब तक इसके अस्तित्व को हटाया-मिटाया नहीं जा सकता। इसे हटाने के लिए तो वृक्ष को हटाना पड़ेगा। इसके सिवाय अन्य कोई रास्ता नहीं है। यदि छाया को काटना है तो सबसे पहले वृक्ष को काटना होगा। यदि अज्ञान का वृक्ष कट गया तो भला मोह की छाया कहां रह सकेगी। यह अज्ञान का वृक्ष उपजा कहां से? इस कठिन सवाल का जवाब बड़ा ही सरल है। जब जीवात्मा संसार की ओर अभिमुख-उन्मुख होकर सांसारिक सुखों-संबंधों की कल्पना-विचारणा करने लगता है, यह अज्ञान का वृक्ष स्वयं ही अंकुरित होने लगता है। इन कल्पनाओं-विचारणाओं के प्रगाढ़ होने के साथ ही यह अज्ञान का वृक्ष भी बढ़ता और मजबूत होता है। यदि इसे दूर करना हो तो फिर संसार व सांसारिक सुख-स्वप्नों से मुंह मोड़ना होगा। इस ओर से मुंह मोड़कर जैसे ही महामाया की ओर ध्यान गया, यह संसार की माया स्वयं ही नष्ट हो जाती है। अंतप्रज्ञा के प्रकाश में साधक जान पाता है कि मोहजनित पीड़ा यथार्थ में एक भ्रांति के सिवाय और कुछ भी नहीं है। फिर इसके बाद उसकी भाव-चेतना स्वतः ही ईश्वर की अनुभूति कराती है और उनकी कृपा से माया से उपजा मोहजनित आवरण नष्ट हो जाता है। प्रसन्नता और सुख, शांति का भौतिक पदार्थों या संपन्नता से कोई संबंध नहीं है।

संपादकीय

मुख्यमंत्री राज्य की जनता का चुना हुआ नेता

भारत में कुल अठाईस राज्य हैं। पुदुचेरी और दिल्ली दो ऐसे केंद्र शासित प्रदेश हैं, जहां विधानसभा हैं। जब तक दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित नहीं किया गया, जम्मू-कश्मीर भी पहले एक राज्य था। हर राज्य का मुखिया राज्यपाल होता है। विधानसभाओं के चुनाव होते हैं। उनमें क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों से विभिन्न दलों के चुने गए सदस्य होते हैं। सबसे बड़ी पार्टी के नेता को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया जाता है और उसे मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाती है। मुख्यमंत्री राज्य की जनता का चुना हुआ नेता होता है। मुख्यमंत्री की सलाह पर ही मंत्रियों की नियुक्ति की जाती है। यह वेस्टमिंस्टर संसदीय प्रणाली है। भारत में लगभग तीस वर्षों तक इसी प्रणाली का पालन किया जाता रहा। इस प्रणाली ने अच्छी तरह से काम किया और छोटी-मोटी गड़बड़ियों को तुरंत ठीक कर लिया गया। मगर यहां ऐसे भी लोग हैं, जिन्हें वेस्टमिंस्टर प्रणाली पसंद नहीं है। स्पष्ट रूप से कहें तो, उन्हें राज्य पसंद नहीं; वे

निर्वाचित विधानमंडलों को पसंद नहीं करते; और न उन्हें मुख्यमंत्री पसंद हैं। संक्षेप में, वे राज्य सरकारों से छुटकारा पाना चाहते हैं। वे मानते हैं कि अगर 142.6 करोड़ आबादी वाले चीन में एक सरकार हो सकती है, तो 141.2 करोड़ की आबादी वाले भारत में क्यों नहीं? वेस्टमिंस्टर माडल के खिलाफ रुझान बढ़ रहा है। ऐसा ही रुझान रखने वाले कुछ लोगों को राज्यों का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। एक राज्य का राज्यपाल नाममात्र का प्रमुख (ब्रिटिश सम्राट की तरह) होता है और सरकार राज्यपाल के नाम पर चलाई जाती है। संविधान में राज्यपाल की शक्तियों (अनुच्छेद 163) की व्याख्या और सीमाएं निर्धारित हैं: राज्यपाल को अपने कार्यों के निष्पादन में सहायता और सलाह देने के लिए मुख्यमंत्री के साथ एक मंत्रिपरिषद होगी, सिवाय इसके कि जब तक वह संविधान द्वारा या उसके तहत अपने कार्यों या उनमें से किसी का प्रयोग करने के लिए अपने विवेक के इस्तेमाल को बाध्य न हो। भाषा सहज और सरल है। वेस्टमिंस्टर माडल की पृष्ठभूमि में, जिसे हमने अपनाया, अनुच्छेद 163 के अर्थ ग्रहण में कोई संदेह नहीं है। इंग्लैंड में सम्राट की तरह, राज्यपाल के पास कोई वास्तविक शक्तियां नहीं होती हैं। वह केवल उन्हीं मामलों में अपने विवेक से काम कर सकता है, जहां संविधान में उससे ऐसा करने की अपेक्षा की गई है। फिर भी, थोमस जैसे कुछ लोग इस पर संदेह करते रहे हैं। न्यायमूर्ति कृष्ण अय्यर ने शमशेर सिंह बनाम पंजाब राज्य के अपने फैसले में उन्हें किनारे करते हुए कहा: हम अपने संविधान की इस शाखा के कानून की घोषणा करते हैं कि राष्ट्रपति और राज्यपाल अपनी औपचारिक संवैधानिक शक्तियों का प्रयोग केवल कुछ जानी-पहचानी असाधारण स्थितियों को छोड़कर, अपने मंत्रियों की सलाह के अनुसार ही करेंगे। फिर भी हमारे यहां कुछ ऐसे राज्यपाल हैं, जो मुख्यमंत्रियों पर अपना प्रभुत्व जमाना चाहते हैं। वे मुख्यमंत्री बनने के इच्छुक हैं। विधेयक के कानून बनने के लिए राज्यपाल की सहमति आवश्यक है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नियुक्तियों में पारदर्शिता

इस पर बहस छिड़ना स्वाभाविक है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ के सदस्यों ने जैसी टिप्पणियां कीं और केंद्र सरकार से जैसे तीखे सवाल पूछे, क्या उनकी आवश्यकता थी? चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की एक परिपाटी है। इसी परिपाटी के तहत एक के बाद एक सरकारें उनकी नियुक्ति करती चली आ रही हैं। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर समय-समय पर कुछ सवाल भले उठते रहे हों, लेकिन चुनावों की निष्पक्षता पर कोई उंगली नहीं उठी। चूंकि सत्तारूढ़ दल उन्हीं चुनाव आयुक्तों के रहते चुनाव हारे और जीते, जिन्हें उन्होंने नियुक्त किया था, इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी नियुक्ति में कोई पक्षपात किया गया। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से केंद्र सरकार के प्रति आक्रामक रुख अपनाने का कारण कुछ भी हो, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि केंद्र सरकार के मंत्री और विशेष रूप से कानून मंत्री समय-समय पर न्यायाधीशों की नियुक्ति की कोलेजियम व्यवस्था पर टिप्पणी करते रहे हैं। ये टिप्पणियां सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न न्यायाधीशों की ओर से कोलेजियम व्यवस्था को सही बताए जाने के बाद भी की गईं। हाल में कानून मंत्री किरण रिजिजू ने न्यायाधीशों की नियुक्तियों में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा था कि कालेजियम प्रणाली की प्रक्रिया बहुत अपारदर्शी है और न्यायपालिका में आंतरिक राजनीति भी मौजूद है। ऐसा लगता है कि उच्चतम न्यायालय को ऐसी टिप्पणियां रास नहीं आ रही हैं और इसीलिए वह केंद्र सरकार के प्रति हमलावर है। सच जो भी हो, उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियां उसके और केंद्र सरकार के बीच तनातनी को रेखांकित कर रही हैं। उच्चतम न्यायालय कोलेजियम व्यवस्था को लेकर चाहे जो कहे और पूर्व एवं मौजूदा न्यायाधीश उसके बारे में चाहे जैसे दावे करें, सच यह है कि यह व्यवस्था अपारदर्शी और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। दुनिया के श्रेष्ठ लोकतांत्रिक देशों में कहीं पर भी जज जजों की नियुक्ति नहीं करते, लेकिन भारत में ऐसा ही होता है। पहले ऐसा नहीं था, लेकिन नरसिंह राव सरकार के समय सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले के जरिये न्यायाधीशों की नियुक्ति का अधिकार अपने हाथ में ले लिया। अब वह इस अधिकार को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। समस्या यह है कि जजों की ओर से जजों की नियुक्ति प्रक्रिया में कहीं कोई पारदर्शिता नहीं है। इस प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए 2014 में संविधान संशोधन के जरिये जो न्यायिक नियुक्ति आयोग बनाया गया था, उसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बताकर खारिज कर दिया। तब उसने कोलेजियम व्यवस्था को दोषपूर्ण माना था, लेकिन कोई नहीं जानता कि उसने उसमें सुधार की पहल क्यों नहीं की? चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पर अटार्नी जनरल ने कहा है कि यह कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र का मामला है और न्यायपालिका को उसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, लेकिन उच्चतम न्यायालय इस प्रक्रिया में दखल देने को तत्पर दिख रहा है। उसने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में सुधार की मांग वाली याचिकाओं पर विचार करते हुए हाल में नियुक्त चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के चयन प्रक्रिया की फाइल भी तलब कर ली। इसी दौरान उसने केंद्र सरकार पर ऐसी टिप्पणियां कीं जिनकी आवश्यकता इसलिए नहीं थी, क्योंकि ये टिप्पणियां अरुण गोयल की नियुक्ति संबंधी फाइल देखने के पहले ही कर दी गईं।

वेदी का निर्माण नाथी देवी, कमल कुमार, अभिषेक डांलिया परिवार हिंगो

नवीन वेदियों में श्री जी विराजमान के साथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ समापन

सोमवार को मोक्ष कल्याणक महोत्सव के साथ भगवान महावीर की 24 फीट उतंग खड्गासन प्रतिमा एवं नवनिर्मित चौबीसी प्रतिमाओं का हुआ मस्तकाभिषेक

रात्रि में जयपुर के डॉ.गौरव सौगानी ने बरसाया भक्ति रस

जयपुर/श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

21 वीं सदी के भगवान महावीर के प्रथम महामस्तकाभिषेक महोत्सव के अन्तर्गत गुरुवार से शुरू हुए पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में सोमवार को मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया।इस मौके पर मोक्ष कल्याणक महोत्सव की क्रियाओं एवं विश्व शांति महायज्ञ हवन के बाद 24फीट उतंग भगवान महावीर की खड्गासन प्रतिमा एवं नवनिर्मित चौबीसी प्रतिमाओं का मस्तकाभिषेक के साथ पांच दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन हो गया। महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि मोक्ष कल्याणक महोत्सव के अन्तर्गत सोमवार को प्रातः 6.30 बजे से ध्यान एवं आशीर्वाद सभा के बाद श्री जिनाभिषेक एवं नित्यार्चना की गई। तत्पश्चात भगवान के मोक्ष कल्याणक के दृश्य दिखाए गए। अग्नि देवों द्वारा भगवान के मोक्ष की संस्कार विधि की गई। उपस्थित श्रद्धालु मोक्ष कल्याणक के दृश्यों को देखकर भाव विभोर हो उठे।और भगवान के मोक्ष प्राप्ति पर जय जय कार करने लगे। पूरा पाण्डाल भगवान महावीर के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। मोक्ष कल्याणक पूजा के बाद विश्व शांति महायज्ञ हवन में मंत्रोच्चार के साथ हवन सामग्री द्वारा पूणार्हुति दी गई। सारा वातावरण हवन सामग्री की सुगंध से सरोबार हो गया। इस मौके पर आशीर्वाद सभा में आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुए। आचार्य श्री ने पाषाण से भगवान बनने की पांच दिनों की क्रियाओं को मंगलकारी बताते हुए कहा कि तीर्थंकर प्रभू की आराधना भक्ति का उत्सव है पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव।इसे श्रद्धालुओं को बड़े भक्ति भाव से मनाना चाहिए। आचार्य श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि वर्तमान के 24 तीर्थंकरों में से 23 तीर्थंकरों ने पहाड़ पर से निर्माण प्राप्त किया

,केवल एक महावीर स्वामी ऐसे जिन्होंने जमीन से सरोवर से निर्वाण प्राप्त किया पहाड़ से निर्वाण हो ऐसा कोई जरूरी नहीं है पर निर्वाण प्राप्त करने के लिए कर्मों के पहाड़ पर चढ़ना जरूरी है और उस पर्वत को चकनाचूर करना जरूरी है जिस प्रकार प्रबंध समिति ने, महोत्सव समिति ने कार्य किया है , उसके लिए मंगल आशीर्वाद ।साथ में सभी पात्रों को ,कार्यकताओं को बहुत-बहुत मंगल आशीर्वाद। सभा में अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, उपाध्यक्ष शांति कुमार जैन,सी पी जैन, महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, कार्याध्यक्ष विवेक काला, कोषाध्यक्ष उमरावमल संघी, मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन जौहरी, संयोजक सुरेश सबलावत, राकेश सेठी, देवेन्द्र अजमेरा, भारत भूषण जैन, मनीष बैद, राकेश सेठी, अजित पाटनी सहित सभी इन्द्र-इन्द्राणी , उनके परिवार जन सहित बड़ी संख्या में कमेटी सदस्य एवं गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। प्रबंधकारिणी कमेटी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अन्तर्गत गठित भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि 24 से 28 नवम्बर तक आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान महावीर की 24 फीट ऊंची खडगासन प्रतिमा सहित परिकरयुक्त चौबीसी एवं कमल मंदिर की नवग्रह अरिष्ट निवारक जिनालय प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा की गई। आशीर्वाद सभा के बाद चरण छतरी के पास बनाई गई नवीन वेदियों तथा कमल मंदिर में भगवान को विराजमान किया गया। वेदियों पर कलशारोहण एवं शिखर पर ध्वजारोहण के साथ विसर्जन किया गया। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक मोक्ष कल्याणक विसर्जन के बाद दोपहर में भगवान महावीर की 24फीट उतंग खड्गासन प्रतिमा एवं चौबीसी प्रतिमाओं का जल, दूध, दही, घृत, केसर, चंदन, हल्दी, सर्वोषधि, बूरा आदि से जयकारों के बीच पंचामृत मस्तकाभिषेक किया गया। प्रथम मस्तकाभिषेक का पुण्यार्जन सुभाष चन्द जैन जयपुर परिवार को प्राप्त हुआ। प्रतिमा निर्माण एवं विराजमान का पुण्यार्जन विद्या विनोद -पुष्पलता काला परिवार के विवेक काला, आलोक काला,संजय काला एवं परिवारजनों को प्राप्त हुआ। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि सायंकाल महाआरती के बाद शास्त्र सभा का आयोजन किया गया। रात्रि में 8.30 बजे से प्रसिद्ध गायक डॉ गौरव दीपशिखा सौगानी एण्ड पार्टी, जयपुर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसमें भक्ति रस बरसाते हुए मन को भाने वाले एवं आध्यात्मिक भजनों की प्रस्तुति दी गई।

सदआचरण मे ही जीवन का कल्याण: मुनिश्री

जैन अटा मंदिर में मुनिश्री द्वारा धर्मसभा को सम्बोधन

ललितपुर. शाबाश इंडिया

निर्यापक श्रमण मुनि सुधासागर महाराज ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा मानव जीवन मिलने के बाद हमें अपने जीवन को सदआचरण से जोड़कर ऐसा प्रयास करना चाहिए कि जिससे हमारे द्वारा किसी का अहित न हो। हमें दूसरों के धन पर ईर्ष्या नहीं करनी वरन ऐसा भाव बनाओ कि हम भी एक दिन ऐसे बनें। यह नहीं सोचना कि हम भाग्यहीन है वरन यह सोचना कि हमारा पडौसी अमीर है और इसमें संतोष करना चाहिए। मुनिश्री ने कहा ग्रहस्थ पाप से रहित नहीं हो सकता वह हमेशा पापों में लिप्त रहकर पांच पापादि अशुभ क्रियाएं करता है। व्यक्ति जहां हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील, परिग्रह आदि क्रियाओं में रहेगा वह मुक्ति को प्राप्त नहीं कर सकता। मुनिश्री ने कहा जैन दर्शन में बताया कि उस मार्ग का अनुसरण करो जिसको संत करते हैं। इसी में कल्याण है। सुबह पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अटा मंदिर में मुनि सुधासागर महाराज के सानिध्य में श्रावकों ने अभिषेक के उपरान्त शान्तिधारा की। पुन्यार्जाक परिवारों ने धर्मसभा का शुभारम्भ आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के चित्र के अनावरण के साथ श्रेष्ठीजनों ने किया तथा पाद प्रक्षालन के उपरान्त मुनिश्री को शास्त्र भेंट का पुन्यार्जाक किया। मुनिश्री के पडगाहन एवं आहारचर्या पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अटा मंदिर से हुई, जिसमें मुनिश्री सुधासागर महाराज, एलक धैर्यसागर महाराज एवं क्षुल्लक गम्भीर सागर महाराज को पडगाहन किया गया। सायंकाल जिज्ञासा समाधान के लिए श्रावक मुनि श्री सुधासागर महाराज के सम्मुख अपनी जिज्ञासा की। इसके उपरान्त पुन्यार्जाक परिवार द्वारा गुरू भक्ति एवं संगीतमय आरती की गई।

जैन अटामंदिर में मुनि श्री की हुई अगुवाई

सुबह अभिनंदनोदय तीर्थ से मुनिश्री सुधासागर महाराज ससंघ प्रभावना पूर्वक सावरकर चौक स्थित पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अटामंदिर पहुंचे जहां उनकी श्रावकों ने भक्ति पूर्वक अगुवाई की। साथ ही समाज श्रेष्ठियों ने पादप्रक्षालन कर आरती उतारी। मुनिश्री के अटामंदिर पहुंचने से जैन धमार्लुओं में उत्साह का माहौल रहा और धर्मलाभ लिया। जानकारी अक्षय अलया व डॉ सुनील संचय ललितपुर ने दी है।

प्रतिभाशाली युवा बना ग्राम विकास अधिकारी

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

श्रीमाधोपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से जारी ग्राम विकास अधिकारी के फाइनल परीक्षा परिणाम मे श्रीमाधोपुर तहसील की डेरावाली ढाणी के किसान परिवार के प्रतिभाशाली युवा महादेव सामोता का चयन हुआ है। इन्होंने बताया की पिता राजेंद्र प्रसाद सामोता खेती करते हैं लेकिन अब पानी की कमी की वजह से खेती मे आय कम होती हैं। इन सभी चीजों को देखते हुए कड़ी मेहनत ओर लगन से वीडियो भर्ती परीक्षा की तैयारी शुरू की थी जिसमें प्रथम प्रयास मे ही सफलता हासिल हुई तथा इन्होंने बताया की उनका सपना फ्अर बनना है ओर सफलता का श्रेय अपनी मेहनत,माता पिता ओर ईश्वर को दिया है। महादेव की इस सफलता से समाज और परिवार में खुशी की लहर है, महादेव को बधाई देने वालो का तांता लगा रहा।

राजस्थान के पाँच सिद्धहस्त हस्तशिल्पियों को मिला 'शिल्प गुरू पुरस्कार'

चौदह श्रेष्ठ हस्तशिल्पी 'राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार' से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में सोमवार को आयोजित भव्य शिल्प गुरू राष्ट्रीय पुरस्कार सम्मान समारोह में राजस्थान के पाँच सिद्धहस्त हस्तशिल्प कलाकारों को शिल्प गुरू पुरस्कार एवं चौदह श्रेष्ठ हस्तशिल्पियों को हस्तशिल्प के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ और केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सम्मान समारोह में शिल्प गुरू पुरस्कार विजेताओं को सम्मान स्वरूप सोने का सिक्का, 2 लाख रुपए की राशी, ताम्रपत्र, शॉल और प्रमाण पत्र प्रदान किया साथ ही हस्तशिल्प राष्ट्रीय पुरस्कार गृहण करने वाले विजेताओं को एक लाख रुपए की राशी, ताम्रपत्र एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया।

आर्यिका सौम्यनन्दिनी माताजी का संयमोत्सव मनाया गया

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

राजाखेड़ा। परम पूज्य आर्यिका सौम्यनन्दिनी माताजी का 15 वां संयमोत्सव समारोह जैन धर्मशाला राजाखेड़ा में धूमधाम से मनाया गया। संयमोत्सव समारोह के पावन अवसर पर आयोजित गुणानुवाद सभा में आर्यिका श्री सुयोग्य नन्दिनी माताजी ने अपने उदबोधन में पूज्य गुरुमां आर्यिका सौम्यनन्दिनी माताजी की जीवन यात्रा व्रतांत सुनाते हुए बताया कि 2 अगस्त 1976 को मध्यप्रदेश के दमोह जिले के एक छोटे से ग्राम लकलका में मोक्षसप्तमी के दिन श्रावक श्रेष्ठी श्रीमान मन्नोलाल जी जैन के परिवार माँ श्रीमती विजयारानी जैन की कुक्षी से हुआ था। गुरुमां प्रारंभ से ही देव, शास्त्र एवं गुरु के प्रति श्रद्धावान थीं। आप बचपन में खेल खेल में ही अपने सहपाठियों को धर्मोपदेश दे देती थी। आपने परम पूज्य गुरुदेव अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज से सीकरी में 30 नबंवर 2008 को आर्यिका दीक्षा ग्रहण की। मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे ऐसी गुरुमां के चरणों में संयम साधना करने का सुअवसर

प्राप्त हुआ है। मैं आज जो कुछ भी हूं, वह गुरुमां की कृपा से ही हूं। गुणानुवाद धर्मसभा का कुशल संचालन करते हुए प्रतिष्ठाचार्य पं.राकेश जी शास्त्री ''भूरा पंडित जी'' आगरा ने अपने काव्य पाठ द्वारा सभी को आनन्दित किया। परम पूज्य अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका सौम्य नन्दिनी माताजी के 15 वें संयमोत्सव समारोह के शुभारम्भ में मंगलाचरण कु.रिया, कु.श्रुति जैन राजाखेड़ा ने किया। चित्र अनावरण मुख्य अतिथि दीपक खंडेलवाल (डीएसपी-राजाखेड़ा) एवं रतनसिंह (अधिशाषी अधिकारी-न.पा.राजाखेड़ा) ने एवं दीप प्रज्ज्वलन सर्वश्री राजीव पाटनी, नवीन दोराया, अनिल दोराया, हीरा जैन, लबलेश बड़जात्या ने किया। आर्यिका सौम्य नन्दिनी माताजी का पाद प्रक्षालन का सौभाग्य विनोदकुमार जैन मनियां, सुरेन्द्रकुमार जैन दिल्ली एवं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य हुकमचन्द जैन (नए बांस वाले) को प्राप्त हुआ। आर्यिका संघ को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य झम्मनलाल विजयकुमार जैन, त्रिलोकचंद रामकुमार जैन (समोने वाले), जगदीशचंद राजकुमारी जैन को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर आर्यिका श्री वीर नन्दिनी जी, आर्यिका सुयोग्य नन्दिनी जी, श्रुत नन्दिनी माताजी सहित ब्रह्मचारिणी बहिने मंचासीन थीं। आर्यिका माताजी के संयमोत्सव पर जयपुर, कोटा, आगरा, दमोह, टूंडला, मनियां, मुरेना, अजमेर, ग्वालियर के साथ साथ अनेकों शैलियों से गुरुमां के भक्तगण साधर्मी बन्धु उपस्थित थे।

ज्वेलर्स एसोसिएशन (रजिस्टर्ड) कोटा का दीपावली पारिवारिक स्नेह मिलन समारोह आयोजित

कोटा. शाबाश इंडिया। हाडोती की एकमात्र हॉलमार्क लाइसेंस धारक सर्राफा व्यवसायों की संस्था, ज्वेलर्स एसोसिएशन (रजिस्टर्ड) कोटा का दीपावली का पारिवारिक स्नेह मिलन समारोह आयोजित हुआ। जानकारी देते हुए महासचिव ओम जैन सर्राफ ने बताया कि इस दीपावली स्नेह मिलन पारिवारिक समारोह में संस्था के सभी सदस्य सपरिवार इकट्ठा हुए और परिवारों के बीच विचारों का आदान प्रदान हुआ। इस अवसर पर विशेष आमंत्रित अतिथि थोक सराफा व्यवसाई संघ के अध्यक्ष अरुण जैन एवं महासचिव निर्मल जैन भी उपस्थित थे। इस अवसर पर ज्वैलर्स एसोसिएशन कोटा के अध्यक्ष विनोद जैन सर्राफ, उपाध्यक्ष पंकज सोनी जोहरी, एवं कोषाध्यक्ष गौरव शर्मा संबोधित किया। अंत में महासचिव ओम जैन सर्राफ ने धन्यवाद दिया।

सहस्त्र कूट जिनालय का गाजेबाजे के साथ हुआ शिलान्यास

वास्तु पूजा एवं भूमि जागरण के साथ हुए अनेक कार्यक्रम

विज्ञा तीर्थ पर देश भर से श्रद्धालुओं ने लिया भाग, अचल मंत्र की आराधना एवं शिला स्थापना

निवाई. शाबाश इंडिया

भारत गौरव गणिनी आर्यिका गुरु माँ विज्ञा श्री माताजी की पावन प्रेरणा से जयपुर-कोटा हाइवे पर चाकसू और निवाई के बीच गांव गुन्सी जिला-टोंक मे सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ का भव्य खनन मुहूर्त में गाजेबाजे के साथ शिलान्यास किया गया। शिलान्यास कार्यक्रम का शुभारंभ श्रद्धालुओं द्वारा मंगलाचरण के साथ किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर चित्र अनावरण किया गया। जैन समाज के मीडिया प्रभारी विमल जौंला व राकेश संधी ने बताया कि शिलान्यास कार्यक्रम की शुरूआत प्रथम शिला का शिलान्यास करने का सौभाग्य भंवरलाल सुशील कुमार शांतिलाल अरिहंत कुमार विवेक विहार जयपुर वालो ने किया। सन्त भवन की आधार शिला रखने का सौभाग्य सुशील कुमार, सुरेन्द्र कुमार,विकास कुमार, अंजना जैन जापान वालो को मिला। इस दौरान आठो दिशाओं की आठो शिलाएं स्थापित की गई। स्वर्ण शिला महेन्द्र कुमार, राजेश कुमार कासलीवाल मालपुरा ने रजत शिला नेमीचंद संजय कुमार जैन ने एवं श्रद्धालुओं ने ताम्र शिला रखने का सोभाग्य प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य श्री यंत्र सुशील जैन नीरा जैन को रखने का सोभाग्य मिला। इस दौरान यंत्रजी रखने का सौभाग्य महावीर प्रसाद पराणा विक्रम कुमार पराणा को प्राप्त हुआ। विज्ञा तीर्थ पर एक कमरा बनवाने का सोभाग्य शिखर चंद, अजीत कुमार काला को मिला। विज्ञा तीर्थ पर रविवार को पिच्छिका परिवर्तन महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि रविवार को विज्ञा तीर्थ पर सकल दिगम्बर जैन समाज निवाई के तत्वावधान में पिच्छीका कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें समस्त आर्यिका संघ को पिच्छीका प्रदान की गई। जिसमें प्रथम विज्ञा श्री को पिच्छीका देने का सोभाग्य पवन कुमार सत्यनारायण विनोद कुमार महेश कुमार गिरराज कुमार मोठूका परिवार को मिला। दितीय विकक्षा श्री माताजी को पिच्छीका देने का सोभाग्य सुरेन्द्र जैन को मिला। ज्ञापक श्री माताजी को सुरेश कुमार नितिन छाबड़ा रजवास ने पिच्छीका भेंट की। इसी तरह श्रद्धालुओं द्वारा सभी माताजी को पिच्छीका भेंट की गई। जौंला ने बताया कि कार्यक्रम में माताजी का पादप्रक्षालन करने का सोभाग्य विष्णु कुमार राहुल कुमार बोहरा परिवार को मिला। शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य जिनेन्द्र कुमार जैन को मिला। जौंला ने बताया कि कार्यक्रम में पण्डित डॉक्टर आशीष जैन एवं अभिषेक जैन शास्त्री के निर्देशन मे दीप प्रज्वलन मंगलाचरण चित्र अनावरण पिच्छीका भेंट , गुरु पूजा गुरु मां पूजन पादप्रक्षालन वस्त्र भेंट सहित कई कार्यक्रम किए गए। कार्यक्रम में देश भर से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

नि :शुल्क बहु चिकित्सीय परामर्श शिविर का आयोजन 11 दिसम्बर को

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया। स्वर्गीय मोतीलाल, स्वर्गीय नोरतन देवी बाकलीवाल की पुण्य स्मृति में भागचंद शांति देवी बाकलीवाल परिवार सुजानगढ़ निवासी जयपुर प्रवासी के सौजन्य से सुजलांचल विकास मंच समिति के तत्वावधान में निशुल्क बहु चिकित्सीय शिविर दिनांक 11 दिसंबर रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक पांड्या धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा। जिसमे राजस्थान की प्रख्यात हॉस्पिटल नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल जयपुर के विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे जिसमे प्रमुख रूप से डॉ देवेंद्र श्रीमाल ,डॉ अभिनव गुप्ता,डॉ मधुकर त्रिवेदी,डॉ लवदीप डोगरा द्वारा रोगियों की उचित जांच कर परामर्श दिया जाएगा । शिविर प्रभारी महक पाटनी ने बताया कि शिविर के अंतर्गत जरूरतमंदों के हार्ट ,सांस, पेट,आंत, मस्तिष्क, गुर्दा किडनी रोगियों की जांच कर उचित परामर्श दिया जाएगा व शिविर में जरूरतमंद रोगियों को समिति द्वारा दवाई निशुल्क प्रदान की जाएगी। शिविर के पोस्टर का विमोचन वात्सल्य वारिधि 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के परम सानिध्य में अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में चल रहे हैं 1008 पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान समिति के परम संरक्षक कंवरीलाल सुमित्रा देवी काला,समाजसेवी श्रीपाल कुसुम देवी चूड़ीवाल जयपुर ने किया। इस अवसर पर काला ने कहा कि बाकलीवाल परिवार द्वारा जो सेवा कार्य अपनी मातृभूमि के लिए किए जा रहे उसके लिए समस्त बाकलीवाल परिवार साधुवाद के पात्र हैं व कहा कि जरूरतमंद इस शिविर का अधिकाधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर समिति के सरक्षक खेमचंद बगड़ा, अमित कुमार बगड़ा, समिति सचिव विनीत बगड़ा, सुधीर चूड़ीवाल भी उपस्थित थे।

वैश्य प्रतिभा सम्मान एवम शपथ ग्रहण समारोह 15 जनवरी को

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतर राष्ट्रीय वैश्य महा सम्मेलन जयपुर सेंट्रल के पदाधिकारियाओ व कार्यकारणी सदस्यों की मीटिंग बड़जात्या सभागार, भटारक जी की नसिया में संपन्न हुई। अपने स्वागत उद्बोधन में अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने वैश्य एकता को समय की जरूरत बताया व आगामी योजनाओं की जानकारी दी। महासचिव संजय पाबूवाल ने अपने उद्बोधन में संस्था की कार्य प्रणाली व अब तक किए गए कार्यों के बारे ने जानकारी दी। वरिष्ठ कार्यकारी सचिव जेके जैन ने बताया कि आगामी 15 जनवरी को कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ ग्रहण व वैश्य समाज की प्रतिभाओं का सम्मान बिरला ऑडिटोरियम में किया जाएगा। कार्यक्रम के बाद दिल्ली स्थित डोरे मि बैंड द्वारा गोल्डन एरा के गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। मीटिंग में सलाहकार डॉक्टर निर्मल जैन सोगानी, युवा फेडरेशन के अध्यक्ष तरुण जैन व महिला विंग की कार्यकारी अध्यक्ष सारिका जैन ने भी कार्यक्रम की सफलता के लिए विचार रखे। अंत में कार्यकारी अध्यक्ष सीए मनोज जैन ने बड़ी संख्या में पधारे हुए सदस्यों को धन्यवाद दिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री दिगम्बर जैन देशभूषण आश्रम में श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ का दूसरा दिन

महान तपस्वी व ज्ञानी थे आचार्य देशभूषण जी महाराज: आचार्य श्री सुनील सागर जी

आज हुई गर्भकल्याणक उत्तरार्ध की क्रियाएं, कल प्रातः निकलेगी जन्मकल्याणक की शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

अरावली पर्वत श्रंखला में स्थित अचरोल ग्राम मे श्री दिगम्बर जैन देशभूषण आश्रम में तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी गुरुदेव के पट्ट शिष्य चर्या शिरोमणि आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में चल रहे 6 दिवसीय श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के दूसरे दिन सोमवार को गर्भकल्याणक उत्तरार्घ की क्रियाएं आगमानुसार सम्पन्न हुई। इस मौके पर आचार्य देशभूषण महाराज की 117वी जयंती भी मनाई गई। इस दौरान अचरोल ग्राम श्रीजी व आचार्यश्री के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। मंगलवार को महोत्सव के तहत जन्मकल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा, उक्त जानकारी देते हुए प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया कार्यक्रम के तहत जन्मकल्याणक पूजा व जुलूस निकाला जाएगा। इस मौके पर पांडुक शिला पर भगवान का 1008 कलशों से अभिषेक किया जाएगा। आयोजन से जुडे नेम प्रकाश खंडाका,देव प्रकाश खंडाका व संत कुमार खंडाका ने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन सोमवार को प्रतिष्ठाचार्य पंडित महावीर जी गींगला उदयपुर व जयपुर के डॉ.सनत कुमार जैन व ब्रह्मचारी विनय भैया के निर्देशन में सुबह श्रीजी का अभिषेक,शांतिधारा के पश्चात भगवान के गर्भकल्याण की पूजा हुई। इस दौरान आया मंगल दिन मंगल अवसर...रोम-रोम पुलकित हो लाए..तुमसे लागी लगन...जैसी स्वर लहियों के बीच भगवान कें माता-पिता बने समाजश्रेष्ठी श्रीमती सुमन-संत कुमार खंडाका, सौधर्म इन्द्र श्रीमती प्रियांगी-कमल खंडाका, धनपति कुबेर श्रीमती ममता सौगानी-शांति कुमार सौगानी जापान वाले,महायज्ञनायक श्रीमती राजुल-राजकुमार खंडाका व ईशान इन्द्र श्रीमती निलेष-नेक कुमार खण्डाका सहित अन्य इन्द्र-इन्द्राणियों ने मंत्रोच्चारों कें साथ अर्घ्य अर्पण किये। इस मौके पर आचार्यश्री के सानिध्य में आचार्य श्री देशभूषण महाराज की 117 जयंती भी मनाई गई। इस अवसर पर आचार्यश्री देशभूषण महाराज की पूजा की गई। इस मौके पर हुई धर्मसभा के प्रारंभ में आचार्यश्री के चित्र का अनावरण,और दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि आज आचार्यश्री देशभूषण महाराज का जयंती महोत्सव है,यह और गर्व की बात है कि यह पंचकल्याणक महोत्सव भी देशभूषण आश्रम में हो रहा है। आचार्यश्री देशभूषण जी महाराज महान तपस्वी व ज्ञानी थे,उन्होंने अपने सदुपदेशो के माध्यम से राष्ट्र व समाज को नई दिशा दी। आज हम सभी का कर्तव्य बनता है कि उनके दीक्षा दिवस के शुभ योग पर धर्म व अध्यात्म के प्रति नया कार्य करने का बीड़ा उठाए,ताकि समाज में नई क्रांति का संचार हो सके। आज हम सभी का कर्तव्य बनता है कि आचार्यश्री के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को सफल बनाए। उन्होंने आगे कहा कि जीवन में इस तरह का पुरूषार्थ करना चाहिए,ताकि जीवन में कोई परेशानी ना आए और दुनिया की लीक से हटकर प्रभु व गुरु का स्मरण करना चाहिए। मुख्य संयोजक रुपेन्द्र छाबड़ा ने बताया कि मध्याह्न में शांतिनाथ महामंडल विधान पूजा,शाम को आरती के धर्म सभा में गर्भकल्याणक के उत्तर दृष्य,इन्द्र सभा,शंका समाधान व माता के 16 स्वप्न दिखाए गए। इस अवसर पर श्रावकों तथा भक्तों ने बहुधिक संख्या में भाग लेकर धर्मऔर अध्यात्म की गंगा में डुबकी लगाई। महोत्सव के तहत मंगलवार को सुबह 6.30 बजे भगवान का जन्मकल्याण महोत्सव मनाया जाएगा। जिसमें सुबह 7.30 बजे हवन,जिनेन्द बाल सूर्य का जन्मकल्याणक संबंधी एवं सौभाग्यवती के द्वारा आकर शुद्धि करना ,शचि इन्द्राणी द्वारा बाल शिशु को सौधर्म इन्द्र को सौंपने के दृश्य सम्मुख होंगे पश्चात आचार्यश्री उपदिष्ट होंगे। इसके बाद प्रातः11 बजे जन्मकल्याणक का जुलूस, दोपहर 11.30 बजे पांडुक शिला पर 1008 कलषों से अभिषेक व विमान से पुष्प वर्षा होगी श्रंगार,नामकरण,जन्मकल्याण के संस्कार तथा सन्ध्या में 7 बजे भगवान का पालना व भगवान की बालक्रीड़ा होगी।

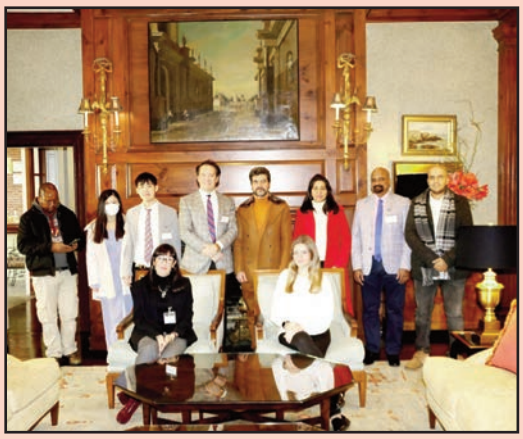

निफ्ट निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में पढ़ा रिसर्च पेपर

जोधपुर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो (डॉ) जी एच एस प्रसाद ने बोस्टन के हॉवर्ड फैकल्टी क्लब में ''इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बिजनेस, मार्केटिंग एंड मैनजमेंट'' विषय पर आयोजित कांफ्रेंस में राजस्थान के जोधपुर जिले के निवासी जाकिर हुसैन पर शोध पत्र पढा। जिसका विषय **'द स्टोरी ऑफ ए हैण्डीक्राफ्ट, क्राफ्टमैन एंड हिज बिजनेसः ए केस फ्रॉम इंडिया'** था। प्रो. प्रसाद ने बताया कि राजस्थान के कलाकार जाकिर को केमल बोन की करीब 9 फीट लंबी रेलगाडी बनाने के लिए नेशनल अवार्ड मिल चुका है। इस कलाकृति में ऊंट की हड्डियों से बनें 4 डिब्बे, एक इंजन और 170 पैसेंजर बैठे दिखाए गए है। रेलगाडी को बनाने में 4 साल का समय लगा, अब यह रेलगाडी दिल्ली के नेशनल रेल म्युजियम में रखी जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर जी एच एस प्रसाद राजस्थान की कला संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। पिछले दिनों पश्चिमी राजस्थान में घूम कर विलुप्त हो रही मौलिक कलाओं को शोध के माध्यम से अन्तरराष्ट्रीय मंच दिलाने का कार्य कर रहे है।

रेलगाडी को बनाने में 4 साल का समय लगा, अब यह रेलगाडी दिल्ली के नेशनल रेल म्युजियम में रखी जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर जी एच एस प्रसाद राजस्थान की कला संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

लक्ष जैन ने गौ सेवा कर मनाया जन्मदिन

अजमेर. शाबाश इंडिया। लक्ष जैन (मोडासिया) जिला मीडिया सह संयोजक व मीडिया प्रमुख (भाजपा जन आक्रोश यात्रा) भाजपा देहात, जिला अजमेर के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा अरुण चतुर्वेदी, सांसद भागीरथ चौधरी, भाजपा देहात जिला अध्यक्ष देवी शंकर भूतडा व चेतन गोयर जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा एवम अर्जुन नलिया युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष द्वारा लक्ष जैन के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा कार्यालय में माला पहनाकर शुभकामनाओ सहित हौसला अफजाई की गई। इस अवसर पर शक्ति सिंह, मयूर कोठारी, जितेंद्र सिंह व अन्य कई युवा भाजपाई मौजूद रहे। इससे पूर्व लक्ष जैन द्वारा गायों को चारा खिलाकर अपने जन्मदिन की शुरूआत की गयी।

सुबोध मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में "रक्तदान शिविर" का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। एस. एस. जैन सुबोध मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के आई.आई.सी. क्लब के द्वारा भारतीय जैन संगठन एवं श्री विजय राज कोठारी चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन मानसरोवर स्थित सुबोध मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में किया गया, जिसमें प्रदीप चोपड़ा, सुनील कोठारी, यश बापना, बसंत जैन, शरद काकरिया, आतिश लोढ़ा का स्वागत संस्था के निदेशक प्रोफेसर डॉ राजू अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने रक्तदान की महिमा बताई एवं इसे दुनिया का सबसे बड़ा महादान बताया। इस अवसर पर प्रबंध एवं लॉ कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं समाज के सभी वर्गों से लोगों ने रक्तदान शिविर में भाग लिया। इस अवसर पर रक्तदान के बाद उन्हें अल्पाहार करवाया गया एवं हेलमेट एवं सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मीनल सुखलेचा एवं पारूल भार्गव ने किया। डिजिटल कवरेज जयदीप व्यास ने किया एवं इस अवसर पर 50 से अधिक यूनिट रक्त की एकत्रित की गई।

सखी गुलाबी नगरी ने किया जरूरतमंद बच्चों को भोजन व कम्बलों का वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

सखी गुलाबी नगरी के सामाजिक सेवा कार्यक्रम के तहत गांधी पथ स्थित मातृच्छाया संस्थान में असहाय बच्चों को खाना खिलाया व कंबल वितरित किये तथा बच्चो के साथ मनोरंजन कार्यक्रम किया। अध्यक्ष सारिका जैन ने बताया कि मातृच्छाया संस्था के सभी बच्चो को मौसम के अनुसार जरूरत होने की वजह से कंबल वितरित किए गये व भविष्य में भी इसी सेवा भाव से कार्यक्रम करते रहेंगे। सचिव स्वाति जैन ने बताया कि वहाँ के सभी बच्चे काफी टेलेंटेड व सभी सांस्कृतिक गतिविधियों में निपुण है। सभी ने देश भक्ति गानों पर डांस करके सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में सखी गुलाबी नगरी की उपाध्यक्ष अनिता जैन, सांस्कृतिक मंत्री मनीषा जैन, सामाजिक कार्यक्रम संयोजक रानी पाटनी, सदस्य सरोज जैन व नमिता जैन भी मौजूद थी।